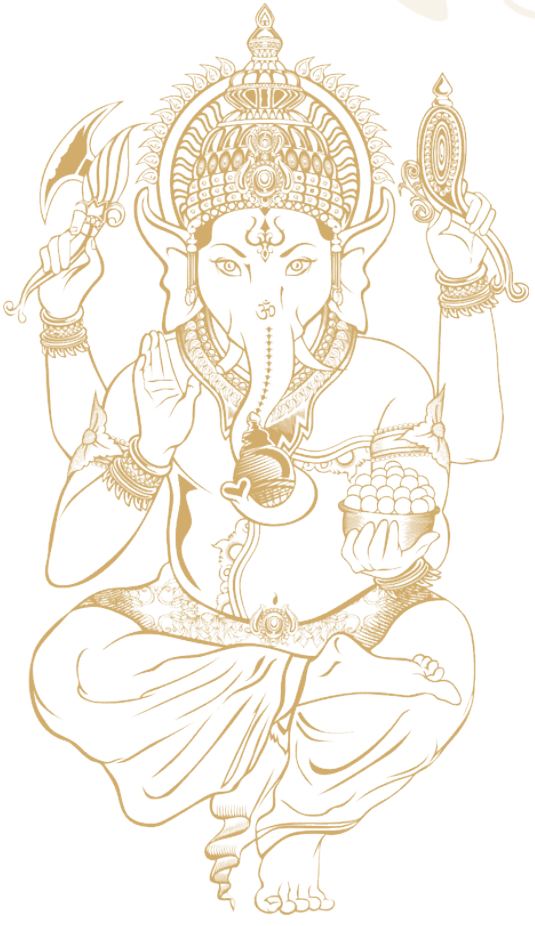

Harsh kumar

28 Jul 2006

03:34 AM

Gopalganj

Model: web-freekundliweb

Order No: 121312405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27-28/07/2006**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**03:34:00 घंटे**
इष्ट	55:48:12 घटी
स्थान	**Gopalganj**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	84:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:07:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:41:44 घंटे
वेलान्तर	-00:06:31 घंटे
साम्पातिक काल	00:03:30 घंटे
सूर्योदय	05:14:43 घंटे
सूर्यास्त	18:42:24 घंटे
दिनमान	13:27:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	10:46:47 कर्क
लग्न के अंश	18:01:32 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वरियान
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:01:32	317:55:44	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			कर्क	10:46:47	00:57:22	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	11:15:03	11:53:56	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल			सिंह	09:14:57	00:37:27	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध	व		मिथु	27:10:26	00:06:28	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			तुला	15:43:06	00:03:46	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	16:41:13	01:12:38	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
शनि		अ	कर्क	19:32:44	00:07:39	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	02:25:29	00:03:32	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	02:25:29	00:03:32	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	20:12:50	00:01:40	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप	व		मक	24:51:05	00:01:34	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	00:30:24	00:01:06	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			मीन	07:00:19	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:58

लग्न-चलित

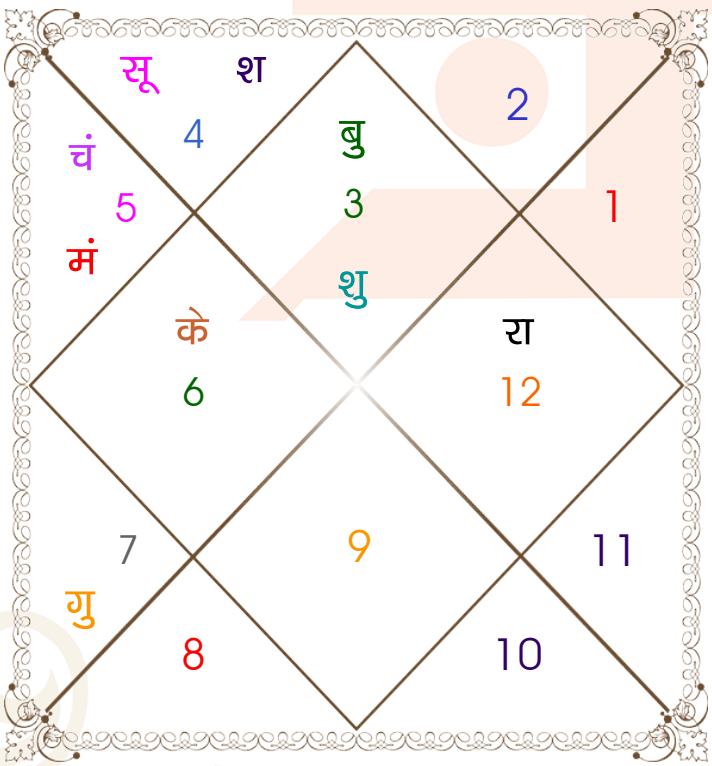

चन्द्र कुंडली

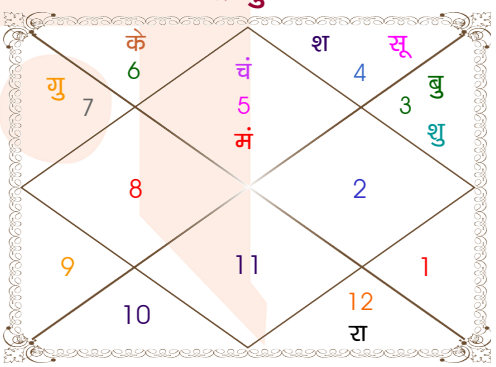

नवमांश कुंडली

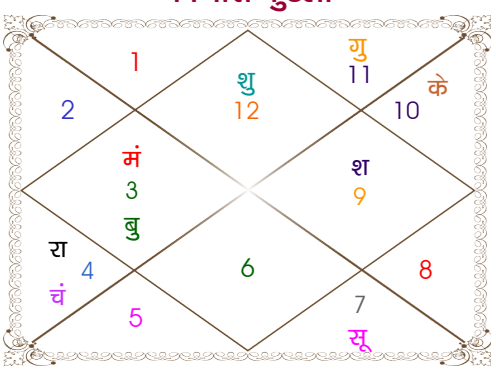

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 1 मास 3 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/07/2006		31/08/2007		31/08/2027		30/08/2033		31/08/2043	
31/08/2007		31/08/2027		30/08/2033		31/08/2043		31/08/2050	
	00/00/0000	शुक्र	30/12/2010	सूर्य	19/12/2027	चंद्र	01/07/2034	मंगल	27/01/2044
	00/00/0000	सूर्य	31/12/2011	चंद्र	18/06/2028	मंगल	30/01/2035	राहु	14/02/2045
	00/00/0000	चंद्र	30/08/2013	मंगल	24/10/2028	राहु	31/07/2036	गुरु	21/01/2046
	00/00/0000	मंगल	31/10/2014	राहु	18/09/2029	गुरु	30/11/2037	शनि	01/03/2047
	00/00/0000	राहु	30/10/2017	गुरु	07/07/2030	शनि	01/07/2039	बुध	27/02/2048
	00/00/0000	गुरु	30/06/2020	शनि	19/06/2031	बुध	30/11/2040	केतु	25/07/2048
	28/07/2006	शनि	31/08/2023	बुध	24/04/2032	केतु	01/07/2041	शुक्र	24/09/2049
शनि	03/09/2006	बुध	01/07/2026	केतु	30/08/2032	शुक्र	01/03/2043	सूर्य	30/01/2050
बुध	31/08/2007	केतु	31/08/2027	शुक्र	30/08/2033	सूर्य	31/08/2043	चंद्र	31/08/2050

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
31/08/2050		30/08/2068		30/08/2084		01/09/2103		31/08/2120	
30/08/2068		30/08/2084		01/09/2103		31/08/2120		00/00/0000	
राहु	13/05/2053	गुरु	18/10/2070	शनि	03/09/2087	बुध	28/01/2106	केतु	27/01/2121
गुरु	07/10/2055	शनि	01/05/2073	बुध	13/05/2090	केतु	25/01/2107	शुक्र	30/03/2122
शनि	12/08/2058	बुध	07/08/2075	केतु	22/06/2091	शुक्र	25/11/2109	सूर्य	04/08/2122
बुध	01/03/2061	केतु	13/07/2076	शुक्र	22/08/2094	सूर्य	01/10/2110	चंद्र	05/03/2123
केतु	19/03/2062	शुक्र	14/03/2079	सूर्य	04/08/2095	चंद्र	02/03/2112	मंगल	02/08/2123
शुक्र	19/03/2065	सूर्य	31/12/2079	चंद्र	04/03/2097	मंगल	27/02/2113	राहु	19/08/2124
सूर्य	11/02/2066	चंद्र	01/05/2081	मंगल	13/04/2098	राहु	16/09/2115	गुरु	26/07/2125
चंद्र	13/08/2067	मंगल	07/04/2082	राहु	18/02/2101	गुरु	22/12/2117	शनि	29/07/2126
मंगल	30/08/2068	राहु	30/08/2084	गुरु	01/09/2103	शनि	31/08/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 1 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।